

• क्रेल...

एलेप्पी में क्या खास



भारत के केरल राज्य में एक खूबसूरत जगह है जिसका नाम है एलेप्पी। इसे अलपुङ्गा भी कहते हैं। यहां की खास बात है इसके बैंकवार्ट्स जो कि बहुत ही सुंदर होते हैं। एलेप्पी को लोग 'पूर्व का वेनिस' भी बोलते हैं क्योंकि यहां की नहरें और झीलें देखने में बहुत सुंदर लगती हैं। आइए जानते हैं एलेप्पी में घूमने की खास बातें।

► हाउसबोट-एलेप्पी में

आपको हाउसबोट मिलेगी, जो बड़ी नाव होती है जिसमें रहने का पूरा इंतजाम होता है। इन हाउसबोट्स पर बैठकर आप झील में धूम सकते हैं और चारों तरफ के खूबसूरत पानी के नजारे देख सकते हैं। यह अनुभव बहुत ही शांत और सुखद होता है, जहां आप प्रकृति के करीब महसूस कर सकते हैं।

► वेम्बनाड झील-वेम्बनाड झील भारत की बहुत बड़ी झीलों में से एक है। यह झील एलेप्पी में है और यहां का नजारा बहुत ही सुंदर होता है। इस झील में आप पानी के खेल-खेल सकते



हैं, जैसे कि नौका विहार और मछली पकड़ना। यहां पर आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ आरामदायक समय बिता सकते हैं और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

► नाव दौड़-एलेप्पी में हर साल अगस्त के महीने में एक बड़ी नाव की दौड़ होती है, जिसे स्नेक बोट रेस कहते हैं। यह दौड़ देखने में बहुत ही रोमांचक होती है क्योंकि बड़ी-बड़ी नावें पानी में तेजी से चलती हैं। बहुत सारे लोग इस दौड़ को देखने आते हैं और उत्साह से भर जाते हैं। नाविक अपनी पूरी ताकत और मेहनत से नाव चलाते हैं ताकि वे जीत सकें। यह त्योहार एलेप्पी की संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा है।

► पक्षी अभ्यारण्य-एलेप्पी के पास कुमाराकोम में एक सुंदर पक्षी अभ्यारण्य है जहां आप विभिन्न प्रकार के पक्षियों को देख सकते हैं। यह जगह पक्षी प्रेमियों के लिए बहुत खास है। यहां पर अलग-अलग मौसमों में अनेक प्रकार के प्रवासी पक्षी भी आते हैं। अगर आप प्रकृति और पक्षियों को पसंद करते हैं, तो यह जगह आपके लिए बहुत अच्छी है। यहां आकर आप शांति से पक्षियों की चहचहाहट सुन सकते हैं और उनके रंग-बिरंगे दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

• महाराष्ट्र...

बत्तागिरी...



महाराष्ट्र का बत्तागिरी न केवल आल्फांसो आम और मछली के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह एक बहुत ही सुंदर स्थान के लिए भी फेमस है। यहां विभिन्न प्रकार के औषधीय पेड़, समुद्र तट और हरियाली से भरपूर चारों ओर की सुंदरता को बढ़ाते हैं। बत्तागिरी, महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में है, जो एक ओर समुद्र द्वारा और दूसरी ओर पर्वतों द्वारा घिरा हुआ है।

यहां का मौसम साल के अधिकांश महीनों के लिए सुहावना होता है। बत्तागिरी में प्राकृतिक सौंदर्य के लिए कई विकल्प होते हैं, लेकिन यदि आप भारत के समृद्ध इतिहास को जानने में रुचि रखते हैं, तो यह स्थान उस दृष्टि से भी बहुत विशेष है। माना जाता है कि पांडव अपने वनवास के 13वें वर्ष में बत्तागिरी के आसपास रुके थे।

► गणेशपुरी मंदिर-बत्तागिरी मुख्य रूप से भगवान गणेशपुरी के 400 वर्षीय स्वयंभू मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि लगभग 600 वर्ष पहले यहां के गांव के मुखिया ने केवड़े वन में एक पत्थर खोदते समय भगवान गणेश की इस मूर्ति को पाया था। यह भारत के आठ गणपति मंदिरों में से एक है और पश्चिम देवार देवता के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि हर किसी को मंदिर के परिक्रमण करना चाहिए।

► आरे-वारे समुद्र -आरे-वारे एक जुड़वां समुद्र तट है। एक ओर आरे है, जिसका अर्थ है हम तुम्हें स्वागत करते हैं, मध्य में एक पुल है और दूसरी ओर वारे है, जिसका अर्थ है हम आप पर वारे जाएं। समुद्र तट कुछ स्थानों पर काली मिट्टी है और अर जगह नारियल के पेढ़ हैं, जो इसकी सुंदरता को दुगना कर देते हैं। यह समुद्र तट बहुत साफ है। यहां आप पानी में अपना चेहरा भी देख सकते हैं।

► कैसे पहुंचे यहां-यह शिवाजी का ऐतिहासिक किला है। इसमें भगवती का मंदिर है, जिसके कारण इसे भगवती किला भी कहा जाता है। इस किले का क्षेत्रफल 120 एकड़ से अधिक है, यह किला बहमानी काल में बनाया गया था। 1670 में शिवाजी महाराज ने यह बिजापुर के अदिल शाह से जीता। यहां से आरबीयन सागर और बत्तागिरी पोर्ट को नजरअंदाज किया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे निकटतम हवाई अड्डा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक है। सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन कोंकण है।



• जयपुर...

सोलो ट्रिप



रोज की दिनचर्या से छुटकारा पाकर कौन एक अच्छी यात्रा नहीं करना चाहता है। यात्रा करने से न केवल तनाव कम होता है, बल्कि रोज के काम से भी जीवन में राहत मिलती है। सोलो ट्रिप के लिए सबसे अच्छा स्थान गंगा के किनारे हो सकता है। गंगा के किनारे स्थित ऋषिकेश बहुत ही सुंदर है। यहां आपको धार्मिक ज्ञान भी मिलेगा, क्योंकि यह शहर अपने धार्मिक गुणों के लिए जाना जाता है। ऋषिकेश में कई आश्रम हैं, जहां आप योग और ध्यान कर सकते हैं। इसके अलावा आप जयपुर भी जा सकते हैं। जयपुर अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर को देखने के लिए बहुत से विदेशी पर्यटक आते हैं। जयपुर सोलो ट्रिप के लिए एक आदर्श स्थान है। जयपुर को कम बजट में देखा जा सकता है। आप दर्शन करने के लिए हवा महल, गोविन्द देवजी मंदिर, राम निवास बाग, गुडिया घर, चुलगिरी जैन मंदिर जैसे कई स्थान जा सकते हैं।



आहो आहो

आहो आहो